पिछले वर्ष तक वसूली मूल्य 105 रुपये प्रति क्विंटल रहा था। गेहूं के संचलन पर लगे क्षेत्रीय प्रतिबन्ध उठा लिए गए और इस से भी किसान को उस की पैदावार का ऊंचा मूल्य मिलने की आशा है। उर्वरक जैसे आदानों से राजसहायता देकर किसानों को और राहत पहुंचाने के प्रश्न पर भी विचार किया जा रहा है।

(ग) यद्यपि अनाजों के वसूली मूल्य निर्धारित करते समय किसानों द्वारा खरीदी जाने वाली आवश्यक वस्तुओं के मूल्यों और अनाज के मूल्यों के बीच पूरी समता बनाए रखने का कोई प्रस्ताव नहीं है लेकिन मूल्यों का सामान्य स्तर, उत्पादन लागत आदि समेत कई तत्वों को ध्यान में रखा जाता है।

ओला वृष्टि के कारण फसल को क्षति

1092. **श्री मोठा लाल पटेल :**
श्री ईश्वर चौधरी :

क्या कृषि और सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हाल ही में अप्रैल, 1977 में हुई ओला वृष्टि से फसलों को हुई अनुमानित क्षति के बारे में सरकार को कोई जानकारी प्राप्त हुई है अथवा उसने जानकारी एकत्र की है,

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी तथ्य क्या हैं ; और

(ग) इस संबंध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

कृषि और सिंचाई मन्त्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) : (क) और (ख). पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, तथा राजस्थान की सरकारों से जानकारी एकत्र की जा रही है और प्राप्त होते ही सभा पटल पर रख दी जाएगी।

(ग) प्रश्न ही नहीं होता।

छोटे किसानों की परिभाषा

1093. **श्री मोठा लाल पटेल :**
श्री के० मालन्ना :

क्या कृषि और सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने छोटे किसानों की परिभाषा में कुछ संशोधन किये हैं ;

(ख) यदि हां, तो इन किसानों की परिभाषा करते समय किन-किन बातों को ध्यान में रखा गया है ; और

(ग) क्या इस बारे में राजस्थान की रेगिस्तानी भूमि को भी ध्यान में रखा गया है और यदि हां, तो किस प्रकार ?

कृषि और सिंचाई मन्त्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) : (क) अन्तर्राष्ट्रीय विकास एसोसियेशन द्वारा साहाय्यित ऋण परियोजनाओं तथा लघु किसान विकास एजेंसी, सूखाग्रस्त क्षेत्र कार्यक्रम आदि जैसे विशेष कार्यक्रमों के लिए लघु किसानों की विभिन्न परिभाषाएँ अपनाई गई हैं। भारत सरकार ने हाल ही में कुछ एक राज्यों के बारे में सूखाग्रस्त क्षेत्र कार्यक्रम के सन्दर्भ में लघु किसानों की परिभाषा में संशोधन किया है।

(ख) सिंचाई का स्वरूप तथा महत्वपूर्ण फसलों के उत्पादन-स्तर परिभाषा में संशोधन करने के लिए मुख्य मानदंड थे।